



Kaithreen

04 Jul 2017

08:53 PM

Narnaul

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121954009

स्त्रीलिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
04/07/2017 : _____ जन्म तिथि _____ : **4-05/07/2026**
 मंगलवार : _____ दिन _____ : शनि-रविवार
 घंटे 20:53:00 : _____ जन्म समय _____ : 04:17:03 घंटे
 घटी 38:18:25 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 56:48:43 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Narnaul : _____ स्थान _____ : Narnaul
 उत्तर 28:04:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:04:00 उत्तर
 पूर्व 76:10:00 : _____ रेखांश _____ : 76:10:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:25:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:25:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:33:37 : _____ सूर्योदय _____ : 05:33:37
 19:25:42 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:25:39
 24:05:56 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:47
 मकर : _____ लग्न _____ : मिथुन
 शनि : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 तुला : _____ राशि _____ : कुम्भ
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 विशाखा : _____ नक्षत्र _____ : शतभिषा
 गुरु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 3 : _____ चरण _____ : 3
 साध्य : _____ योग _____ : आयुष्मान
 विष्टि : _____ करण _____ : तैतिल
 ते-तेजवन्त : _____ जन्म नामाक्षर _____ : सी-सीमा
 कर्क : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : कर्क
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 व्याघ्र : _____ योनि _____ : अश्व
 राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 सर्प : _____ वर्ग _____ : मेष
 9 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 10

Pankaj Numerology and Astrology Solutions

Dabchik Tourist Place, Hodal, Palwal, Haryana, India, 121106

9671750933

pankajkumardadieya0@gmail.com

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
श्रवण	1	12:58:06	मक			लग्न			मिथु	00:25:46	3	मृगशिरा
आर्द्रा	4	18:44:17	मिथु			सूर्य			मिथु	18:44:17	4	आर्द्रा
विशाखा	3	29:05:35	तुला			चंद्र			कुंभ	14:14:57	3	शतभिषा
पुनर्वसु	2	25:36:39	मिथु	अ	मंगल		वृष		वृष	10:07:46	1	रोहिणी
पुष्य	1	03:20:23	कर्क			बुध	व	अ	कर्क	01:00:45	4	पुनर्वसु
हस्त	4	20:02:00	कन्या			गुरु			कर्क	06:46:54	2	पुष्य
कृतिका	3	05:29:56	वृष			शुक्र			सिंह	00:25:29	1	मघा
ज्येष्ठा	4	29:01:56	वृश्चि	व		शनि			मीन	20:06:53	2	रेवती
मघा	1	01:00:27	सिंह	व		राहु			कुंभ	06:27:59	4	धनिष्ठा
धनिष्ठा	3	01:00:27	कुंभ	व		केतु			सिंह	06:27:59	2	मघा
अश्विनी	2	04:04:23	मेष			मु			तुला	12:58:06	2	स्वाति

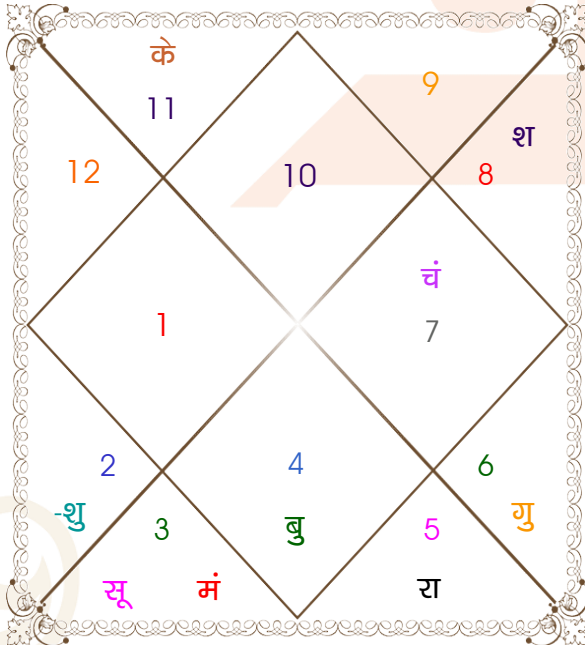
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

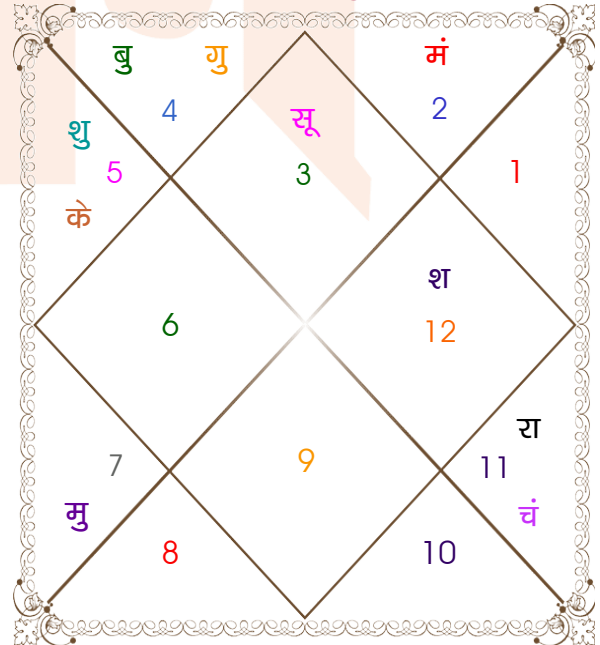
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:47

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



Pankaj Numerology and Astrology Solutions

Dabchik Tourist Place, Hodal, Palwal, Haryana, India, 121106

9671750933

pankajkumardadieya0@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - शुक्र 21/02/2026 19:32 04/08/2026 16:03	शनि - बुध - सूर्य 04/08/2026 16:03 22/09/2026 19:49	शनि - बुध - चंद्र 22/09/2026 19:49 13/12/2026 18:04	शनि - बुध - मंगल 13/12/2026 18:04 09/02/2027 02:27
शुक्र 21/03/2026 02:57 सूर्य 29/03/2026 07:35 चंद्र 11/04/2026 23:17 मंगल 21/04/2026 12:41 राहु 16/05/2026 02:34 गुरु 06/06/2026 22:54 शनि 02/07/2026 21:33 बुध 26/07/2026 02:39 केतु 04/08/2026 16:03	सूर्य 07/08/2026 03:02 चंद्र 11/08/2026 05:21 मंगल 14/08/2026 02:10 राहु 21/08/2026 11:08 गुरु 28/08/2026 00:26 शनि 04/09/2026 19:14 बुध 11/09/2026 18:22 केतु 14/09/2026 15:11 शुक्र 22/09/2026 19:49	चंद्र 29/09/2026 15:40 मंगल 04/10/2026 10:22 राहु 16/10/2026 17:18 गुरु 27/10/2026 15:28 शनि 09/11/2026 14:48 बुध 21/11/2026 05:21 केतु 26/11/2026 00:03 शुक्र 09/12/2026 15:46 सूर्य 13/12/2026 18:04	मंगल 17/12/2026 02:22 राहु 25/12/2026 16:49 गुरु 02/01/2027 08:20 शनि 11/01/2027 10:16 बुध 19/01/2027 13:15 केतु 22/01/2027 21:33 शुक्र 01/02/2027 10:56 सूर्य 04/02/2027 07:46 चंद्र 09/02/2027 02:27
शनि - बुध - राहु 09/02/2027 02:27 06/07/2027 13:44	शनि - बुध - गुरु 06/07/2027 13:44 14/11/2027 15:45	शनि - बुध - शनि 14/11/2027 15:45 18/04/2028 07:39	शनि - केतु - केतु 18/04/2028 07:39 11/05/2028 22:24
राहु 03/03/2027 05:21 गुरु 22/03/2027 21:15 शनि 15/04/2027 05:38 बुध 06/05/2027 03:02 केतु 14/05/2027 17:29 शुक्र 08/06/2027 07:22 सूर्य 15/06/2027 16:20 चंद्र 27/06/2027 23:16 मंगल 06/07/2027 13:44	गुरु 24/07/2027 01:12 शनि 13/08/2027 19:19 बुध 01/09/2027 09:00 केतु 09/09/2027 00:31 शुक्र 30/09/2027 20:52 सूर्य 07/10/2027 10:10 चंद्र 18/10/2027 08:20 मंगल 25/10/2027 23:51 राहु 14/11/2027 15:45	शनि 09/12/2027 07:16 बुध 31/12/2027 08:31 केतु 09/01/2028 10:27 शुक्र 04/02/2028 09:06 सूर्य 12/02/2028 03:53 चंद्र 25/02/2028 03:13 मंगल 05/03/2028 05:09 राहु 28/03/2028 13:32 गुरु 18/04/2028 07:39	केतु 19/04/2028 16:43 शुक्र 23/04/2028 15:10 सूर्य 24/04/2028 19:30 चंद्र 26/04/2028 18:44 मंगल 28/04/2028 03:48 राहु 01/05/2028 16:48 गुरु 04/05/2028 20:22 शनि 08/05/2028 14:06 बुध 11/05/2028 22:24
शनि - केतु - शुक्र 11/05/2028 22:24 18/07/2028 09:40	शनि - केतु - सूर्य 18/07/2028 09:40 07/08/2028 15:27	शनि - केतु - चंद्र 07/08/2028 15:27 10/09/2028 09:05	शनि - केतु - मंगल 10/09/2028 09:05 03/10/2028 23:50
शुक्र 23/05/2028 04:16 सूर्य 26/05/2028 13:14 चंद्र 01/06/2028 04:11 मंगल 05/06/2028 02:38 राहु 15/06/2028 05:32 गुरु 24/06/2028 05:26 शनि 04/07/2028 21:49 बुध 14/07/2028 11:13 केतु 18/07/2028 09:40	सूर्य 19/07/2028 09:58 चंद्र 21/07/2028 02:26 मंगल 22/07/2028 06:47 राहु 25/07/2028 07:39 गुरु 28/07/2028 00:25 शनि 31/07/2028 05:20 बुध 03/08/2028 02:09 केतु 04/08/2028 06:29 शुक्र 07/08/2028 15:27	चंद्र 10/08/2028 10:55 मंगल 12/08/2028 10:09 राहु 17/08/2028 11:36 गुरु 21/08/2028 23:33 शनि 27/08/2028 07:44 बुध 01/09/2028 02:26 केतु 03/09/2028 01:40 शुक्र 08/09/2028 16:36 सूर्य 10/09/2028 09:05	मंगल 11/09/2028 18:09 राहु 15/09/2028 07:10 गुरु 18/09/2028 10:44 शनि 22/09/2028 04:28 बुध 25/09/2028 12:45 केतु 26/09/2028 21:49 शुक्र 30/09/2028 20:16 सूर्य 02/10/2028 00:36 चंद्र 03/10/2028 23:50

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरुष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते हैं। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यों से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्धिहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको समय समय पर इच्छित सफलता की भी प्राप्ति होगी। इस समय मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपकी बुद्धि निर्मल तथा शुद्ध रहेगी तथा अपनी बुद्धिमता से आप अन्य जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में समर्थ रहेंगी साथ ही सभी सामाजिक लोग आपसे पूर्ण प्रभावित रहेंगे एवं आपको अपना पूर्ण सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्व बुद्धिबल से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सहयोग एवं प्रसन्नता मिलेगी तथा अपने क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी तथा प्रभाव तथा यश में भी वृद्धि होगी।

इस समय आपके हृदय में धार्मिकता के भाव की प्रबलता रहेगी तथा धर्मसंबंधी कार्यों को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इसके साथ ही किसी शुभ पुण्य या किसी परोपकार संबंधी कार्य में भी आपकी रूचि होगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इन कार्यों को सम्पन्न करेंगी एवं यत्नपूर्वक अपना सहयोग प्रदान करेंगी। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको इस समय प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेगा तथा उनसे आप वांछित सहयोग तथा लाभ समय समय पर प्राप्त करेंगी। अतः आपका समय आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।